'डिग्री केवल डिग्री के लिए न हो बल्कि स्किल लर्निंग व समाज उपयोगी हो'

- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विद्यार्थियों को दी सीख, कहा जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर्स बने
- उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सुखाड़िया व्याख्यान में हुए शामिल

उदयपुर,(कासं)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विद्यार्थियों से कहा कि आज के तकनीकी बदलाव के दौर में जॉब सीकर नहीं जॉब क्रिएटर्स बनने की बजाय जॉब क्रिएटस बने क्योंकि पूरी दुनिया उनकी तरफ आशा भरी नजर से देख रही है। धनखड शनिवार को मोहनलाल सुखाडिया के विवेकानंद सभागार में बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि शिक्षक ही किसी संस्थान की रीढ़ होते हैं और उन्हीं की वजह से उन संस्थानों का नाम भी होता है। युवा विद्यार्थियों का आव्हान करते हुए उन्होंने कहा कि वे देश के असली कर्णधार है। भविष्य के निर्माता हैं। इसलिए सकारात्मक ऊर्जा के साथ नवाचारों और तकनीक के साथ आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि भारत चार ट्रिलीयन डॉलर की इकोनॉमी के साथ विश्व की पाँचवी बडी अर्थव्यवस्था बन गया है जहाँ 8 प्रतिशत की ग्रोथरेट है। वैश्विक संस्थानों की गुणवत्ता और तकनीकी उन्नति के साथ बढते डिजिटाइजेशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अब हम आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। क्योंकि बीते एक दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व की सशक्त अर्थ व्यवस्था बनकर उभरी है,जहाँ पर हर साल 8 नए एयरपोर्ट ए हर 2 साल में तीन चार नई मेट्रो,प्रतिदिन 28 किलोमीटर हाईवे और बारह किलोमीटर नया रेलवे ट्रैक बिछाया जा रहा है। बिजली उत्पादन, सौर उर्जा,गैस हर क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ रही है। अच्छे स्वास्थ्य और अफोर्डेबल घरों का निर्माण अब सपना नहीं रहा है। हर व्यक्ति को सुविधाएँ प्राप्त हो रही है और मानवीय मूल्यों के साथ संसाधनों का समुचित इस्तेमाल करके ही हम सशक्त बन रहे हैं।

सुखाड़िया विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को संबोधन दिया।

उन्होंने कहा कि आज की युवा पीढ़ी कई सारे तनावों को लेकर आगे बढती हैं । जब कम मेरिट वाला उनसे आगे बढ़ जाता है,जब भाई भतीजावाद और भ्रष्टाचार आदि समस्याएं दिखती है तो युवाओं के मन में दर्द होता है लेकिन उन्होंने कहा कि इन सब चीजों को दिल से नहीं लगाते हुए युवाओं को रोजगार के नए उभरते फलक को देखना और समझना चाहिए। सरकारी सेवाएँ जरूरी है लेकिन युवाओं को यह नहीं समझना चाहिए कि सरकारी सेवा ही अंतिम विकल्प है,आज युवाओं को उभरते नए रोजगारों के अवसर और ऊंचाइयों के प्रति जागरूक रहना होगा,आस पास के तमाम संसाधनों जैसे जल-थल, नभ और उभरते अवसरों को एकाग्र होकर देखना होगा। उन्होने कहा कि अब 6जी की नई तकनीक आ रही है जो ना सिर्फ फोन के लिए होगी बल्कि व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए प्रमुख मानी जाएगी इसलिए हमें भी आउट ऑफ बॉक्स जाकर सोचना होगा तभी हम कुछ नया और उपयोगी सोच पाएंगे। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि देश के 500 टॉप लोगों को देखें तो पाएंगे कि उसमें साठ प्रतिशत लोग आपकी उम्र के हैं वे अवसरों के प्रति जागरूक रहे और उन्होंने अवसरों का लाभ उठाया। आज विश्व का कोई भी कॉर्पोरेट संस्थान ऐसा नहीं है जहाँ भारतीय बुद्धिमत्ता और युवा प्रमुख तौर पर उपस्थित नहीं दिखाई पडे। हर जगह उपस्थित है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया की असफलता से कभी मत डरो और न असफलता के लिए खुद को दोष दो। डिग्री केवल डिग्री के लिए न हो बल्कि स्किल लर्निंग और समाज उपयोगी भी हो ऐसे प्रयास किए जाएं। पश्चिमबंगाल के राज्यपाल रहते उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि उस दौरान उन्होंने नई शिक्षा नीति का प्रारूप तैयार करने में अपने विचारों का योगदान भी दिया था। उस दौरान उन्होंने कहा था पारंपरिक शिक्षा जरूरी है लेकिन हमें नए उभरते अवसरों की ओर भी देखना होगा।

धनखड़ ने कहा कि रोजगार मांगना बुरा नहीं है लेकिन इससे ज्यादा जरूरी है कि हम रोजगार सृजक बने क्योंकि जॉब क्रिएटस आज की दुनिया में ज्यादा प्रभावी होते हैं। उन्होंने छात्रों से कहा कि आप ही लोकतंत्र के सबसे अहम प्रतिनिधि हा। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के हवन में आपकी आहुति महत्वपूर्ण होगी। नई पीढी के विद्यार्थियों से उपराष्ट्रपति ने कहा कि अपने कामकाज में राष्ट्रीयता की भावना को सर्वोच्च रखे क्योंकि हमें तीसरी बडी इकनॉमी बनने के लिए अभी कडा परिश्रम करना है। धनखड ने पर्यावरण परिवर्तन और क्लाइमेट चेंज पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हमने पृथ्वी को बहुत नुकसान पहुंचाया है अब उसको सहेजने और सँवारने की जम्मिदारी भी हमारी है। प्रधानमंत्री द्वारा एक पेड माँ के नाम अभियान से जुडने और पौधा लगाने का भी उन्होंने आग्रह किया। धनखड़ ने आज इस कार्यक्रम से पूर्व स्वयं भी एक पौधा लगाया। इस अवसर पर उन्होंने कहा था कि पूरी दुनिया आज हमारे ज्ञान को सलाम करती है क्योंकि हमारे पास वेद और पुराणों की ताकत है। नई पीढी के लोगों से आग्रह किया कि वे बडे बदलाव में भागीदार बने लेकिन अपने नागरिक उत्तरदायित्व को भी न भूलें क्योंकि वही लोकतंत्र को मजबूत बनाएगा। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि डॉक्टर सुदेश धनखड़थी।शुरू में कुलपति प्रोफेसर सुनीता मिश्रा ने विवि की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। विज्ञान महाविद्यालय के कार्यवाहक अधिष्ठाता प्रो एम.एस. ढाका ने राष्ट्रपति को साफा पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

उदयपुर, (कासं)। वित्तीय साक्षरता और निवेश रणनीतियों पर जोर देते हुए एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) उदयपुर के सहयोग से एमएलएसयू के प्रबंध अध्ययन संकाय में धन सृजन - समृद्धि के लिए एक उपकरण पर एक निवेशक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

कार्यक्रम की शुरुआत प्रोफेसर मीरा माथुर, प्रबंध अध्ययन संकाय ने सभी अतिथियों, संकाय सदस्यों और छात्रों का स्वागत किया। मुख्य वक्ता सूर्य कांत शर्मा (वरिष्ठ सलाहकार, एएमएफआई) ने लंबी अवधि के रिटर्न के लिए प्रभावी उपकरण के रूप में म्यूचुअल फंड और एसआईपी पर प्रकाश डालते हुए शुरुआती निवेश को प्रोत्साहित किया। उन्होंने बचत के महत्व, व्यक्तिगत वित्तीय भूख को समझने और सेवानिवृत्ति की योजना बनाने पर जोर दिया। श्री तरूण गर्ग (सेबी अधिकारी, जयपुर) ने कमाई और निवेश के समान महत्व पर जोर दिया। संतोष मीना (सेबी अधिकारी, जयपुर) ने स्मार्ट एसआईपी योजनाओं और व्यक्तिगत विकास की वकालत करते हुए व्यक्तियों से ज्ञान में निवेश करने का आग्रह किया। मनोज कुमार शर्मा डी जी एम, सेबा ने एक विनियमित वित्तीय वातावरण, वित्तीय समावेशन और धन प्रबंधन जागरूकता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारत में म्यूचुअल फंड निवेशकों मे उत्तरोत्तर वृद्धि का उल्लेख किया। प्रोफेसर सुनीता मिश्रा कुलपति, मोहनलाल सुखाडिया विवि ने धन और ज्ञान के बुद्धिमान निवेश की सलाह दी, इसे राष्ट्रीय शिक्षा नीति की लचीली प्रवेश-निकास प्रणाली के साथ संरेखित किया। कार्यक्रम के आयोजन सचिव प्रोफेसर हनुमान प्रसाद ने धन्यवाद प्रस्ताव के साथ उन्होंने बचत, बजटिंग एवं निवेश के सामंजस्य पर जोर दिया।

सार-समाचार

डॉ. मेधा माथुर पुरस्कार से सम्मानित

उदयपुर, (कासं)। गीतांजलि मेडिकल कॉलेज, उदयपुर के कम्युनिटी मेडिसिन विभाग की डॉ. मेधा माथुर को आरएनटी मेडिकल कॉलेज, उदयपुर द्वारा आयोजित राजकोन 2024 में 120 शोध पत्रों में से सर्वश्रेष्ठ शोध पत्र का पुरस्कार मिला। उन्होंने स्वास्थ्य कर्मियों पर हिंसा पर अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया जो आज के परिदृश्य में एक ज्वलंत विषय है। डॉ मेधा ने ब्रिटिश मेडिकल जर्नल के अनुसंधान और प्रकाशन विषय पर प्री-कॉन्फ्रेंस कार्यशाला में रिसोर्स फैकल्टी के रूप में सत्र लिया। उन्होंने उदयपुर में राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान स्वास्थ्य के क्षेत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस विषय पर सत्र की अध्यक्षता भी की।

एसपी जोशी ने बैठक ली

कपासन, (निसं)। चित्तौड़गढ़ एसपी सुधीर जोशी ने कपासन में स्थानीय पंचायत समिति के महाराणा प्रताप सभागार में सीएलजी और शांति समिति के सदस्यों की बैठक ली। इस दौरान एसपी ने सोशल मीडिया सोच समझकर उपयोग करने, साइबर क्राइम से बचने और सोशल मीडिया पर निजी जानकारी डालने से परहेज का करने का आव्हान किया।एसपी ने कहा- आज के समय सोशल मीडिया का सोच समझकर उपयोग करना चाहिए। ताकि लोगों के व्यवहार में कड़वाहट नहीं पनपे। वहीं बच्चों को कम से कम मोबाइल का उपयोग करने दें। साइबर क्राइम से बचने के लिए अपनी निजी जानकारी सोशल मीडिया पर ना डालें। इस दौरान बैठक में एसपी ने बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई के निर्देश दिए। साथ ही लोगों से अच्छी कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुझाव मांगे। बैठक में अतिक्रमण, शहर में सीसीटीवी कैमरे लगाने, सड़कों पर लगी नॉनवेज की दुकान हटाने सहित कई विषयों पर सुझाव लिए गए। इससे पहले एसपी को थाने पहुंचने पर पुलिस के जवानों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। साथ ही निर्माणाधीन थाना भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान एसपी जोशी ने पुलिस जवानों ओर अनुसंधान अधिकारियों से भी चर्चा की। सीएलजी बैठक में तहसीलदार एम नासिर बेग मिर्जा, डिप्टी एसपी हरजीलाल यादव, थाना अधिकारी रतन सिंह, पालिका अध्यक्ष मंजू देवी सोनी, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष पंकज सिरोया, ललित टांक,सहित बड़ी संख्या में कस्बा वासी मौजूद रहे। साथ ही सिंहपुर चोटी का निरीक्षण किया

वर्कशॉप का आयोजन

देवगढ़, (निसं)। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय देवगढ़ पीएम श्री योजना के अंतर्गत 21वीं सदी के कौशल व तकनीकी विकास में आयोजित ड्रोन व रोबोटिक टेक्नोलॉजी के ऊपर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय देवगढ़ में शनिवार को ड्रोन व रोबोटिक टेक्नोलॉजी के ऊपर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया।प्रसिद्ध रोबोटिक वैज्ञानिक काछबली निवासी राजेंद्र सिंह के द्वारा किया गया। विद्यालय के प्राचार्य विजेंद्र नागदा के अनुसार इस वर्कशाप का आयोजन 21वीं सेंचुरी लर्निंग एंड टेक्नोलॉजी स्किल के अंतर्गत किया गया। रोबोटिक वैज्ञानिक राजेंद्र सिंह जो खुद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व डीआरडीओ के द्वारा अपने रोबोटिक वर्क के लिए सम्मानित हो चुके हैं वह अभी वर्तमान में जर्मन मल्टीनेशनल कंपनी में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने विद्यालय के छात्र-छात्राओं को रोबोटिक्स किस तरह काम करते हैं कैसे काम करते हैं और रोबोट से लेकर भविष्य में क्या संभावनाएं हैं के बारे में विस्तार से प्रोजेक्टर व 3 डी फोटोज के माध्यम से बताया ।छात्रों ने भी इस रोबोटिक टेक्नोलॉजी के बारे में जिज्ञासा से कई प्रकार के प्रश्न किया और जानकारी हासिल की। इस वर्कशाप मैं विद्यालय के सीनियर टीचर दिलीप सिंगारिया ,प्रभु सिंह ,पूसा लाल खटीक , सुमन सैनी, अमर सिंह राठौड़ ,दीपेंद्र सिंह व राजेंद्र सिंह के पिता भगवती सिंह वह उनके भाई चंद्रभान सिंह उपस्थित थे व कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को एक-एक सेब देकर अपनी कक्षाओं में भेजा गया।

पंजाबी गायक गुरी की प्रस्तुति ने बांधा समां

उदयपुर,(कासं)। पेसिफिक मेडिकल विवि के विद्यार्थियो और स्टाफ के लिए 15 नवंबर की रात एक यादगार संगीतमय अनुभव लेकर आई, जब मशहूर पंजाबी गायक गुरी ने अपनी शानदार प्रस्तुति दी। आरंभ मे विवि के चेयरमेन राहुल अग्रवाल ने कहा इस तरह के कार्यक्रम हमारे विद्यार्थियो के लिए न केवल मनोरंजन का जरिया हैं, बल्कि यह उन्हें नए जोश और ऊर्जा के साथ अपने सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित करते हैं। हमें गर्व है कि पीएमयू ऐसा मंच प्रदान कर रहा है जहां शिक्षा और संस्कृति का अद्भुत संगम होता है। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग प्रस्तुतियों से हुई जहां छात्रों ने नृत्य और गायन से दर्शकों का मनोरंजन किया। इसके बाद मंच पर पहुंचे गुरी और गानों की गूंज से पूरा परिसर झूम उठा। गुरी ने लवली वर्जिनिया,यार बेली, और सोहने लगदे जैसे सुपरहिट गाने गाकर दर्शकों का दिल जीत लिया। पंजाबी गायक गुरी की मधुर आवाज और ऊर्जावान प्रदर्शन ने छात्रों को अपने सीटों से उठकर नाचने पर मजबूर कर दिया। दर्शकों के बीच उत्साह इतना अधिक था कि पूरा कार्यक्रम तालियों की गडगडाहट से गूंजता रहा।अंत में पीएमसीएच की चेयरमेन प्रीति अग्रवाल ने कहा कि संगीत वह भाषा है जो हर दिल तक पहुंच सकती है। इस दौरान गुरी ने मंच से विद्यार्थियो को उनके सपनों को पूरा करने के लिए प्रेरित किया और अपने फैंस के प्रति आभार व्यक्त किया।

साइंस मॉडल एक्जीबिशन में लहराया परचम

राजसमंद,(निसं)। भारत सरकार के नीति आयोग एवं अटल इनोवेशन मिशन द्वारा परिवर्तित एवं प्रायोजित तथा आलोक संस्थान फतेहपुरा की ओर से आयोजित विज्ञानोत्सव-2०24 में व शहर के बीएन गर्ल्स कॉलेज में आयोजित साइंस मॉडल एक्जीबिशन व पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में आलोक स्कूल के विद्यार्थियों ने अपने हुनर को प्रदर्शित कर परचम लहराया।

विजेता विद्यार्थियों को निदेशक डॉ प्रदीप कुमावत, प्रशासक मनोज कुमावत, प्राचार्य ललित गोस्वामी व सहायक प्रशासक ध्रुव कुमावत ने महाराणा प्रताप सभागार में उपरणा पहनाकर व मोमेंटों और सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया। प्राचार्य ललित गोस्वामी ने बताया कि भारत सरकार के नीति आयोग एवं अटल इनोवेशन मिशन द्वारा परिवर्तित एवं प्रायोजित तथा आलोक संस्थान फतेहपुरा द्वारा आयोजित विज्ञानोत्सव-2024 में उदयपुर संभाग के 2० विद्यालयों के 400 विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा अभियांत्रिकी एवं गणित के क्षेत्र में अपने वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा नवाचारों को मॉडल एवं प्रोजेक्ट्स के रूप में प्रस्तुत किया। इसमें कक्षा 1 से लेकर 12 तक के सभी विद्यार्थियों ने बडे उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। प्रतिभागियों को चार श्रेणियां में विभाजित किया गया। ग्रुप ए, बी, सी और डी। इनमें से ग्रुप बी में आलोक विद्यालय के छात्र उत्कर्ष हिंगड एवं तन्मय बागोरा ने तथा ग्रुप सी में जैन्या पुरोहित, दिव्यांशी पालीवाल, पूर्वा श्रीमाली तथा जसराज वीर सिंह को अद्भुत रचनात्मकता एवं नवाचार के क्षेत्र में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। ग्रुप सी में जीवितेश त्रिपाठी, नैतिक सुखवाल, प्रतीक्षा झाला, लतिका टेपन तथा ग्रुप डी में (वरिष्ठ वर्ग) यशविनी स्वर्णकार, देदीप्य जोशी, ख्याति शर्मा, कुलदीप शर्मा तथा उज्जवल कुमावत ने अपने असाधारण वैज्ञानिक दृष्टिकोण एवं नवाचारों से युक्त साइंस प्रोजेक्ट के माध्यम से विद्यार्थियों, अभिभावकों ,शिक्षक-शिक्षिकाओं , आगुंतकों एवं अनुसंधानकर्ताओं का न केवल ध्यान आकर्षित किया बल्कि मस्तिष्क उद्वेलन भी किया। विज्ञान महोत्सव, स्टेम फेस्टिवल ने न केवल छात्र-छात्राओं अपितू सभी उपस्थित दर्शकों के मन में विज्ञान के प्रति रुचि एवं एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण का सृजन किया। इसी तरह से शहर के भूपाल नोबल्स गर्ल्स कॉलेज में आयोजित साइंस मॉडल एवं आर्ट एंड क्राफ्ट एग्जीबिशन में विद्यालय की छात्राओं ने भाग लिया एवं अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। 12वीं कॉमर्स की छात्रा नियति जांगिड ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही साइंस एग्जीबिशन में कक्षा 11वीं की छात्राएं खुशी गर्ग एवं प्रिंसी शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महेन्द्र सिंह मेवाड को श्रद्धाजंलि अर्पित की

- दीया कुमारी मीडिया से रूबरू हुई, उन्होंने कहा कि महेंद्र सिह मेवाड का हमेशा से उन पर आशीर्वाद रहा

उदयपुर,(कासं)। प्रदेश की उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी व संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने शनिवार को समोर बाग पहुंचकर महेन्द्र सिंह मेवाड को श्रद्धाजंलि अर्पित की ओर शोक संदेवना प्रकट की।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी शनिवार को उदयपुर पहुंची थी जबकि संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल शुक्रवार देर शाम उदयपुर पहुंच गए थे। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी एयरपोर्ट से सीधे समोरबाग पैलेसे पहुंचीं।यहां पर दीया कुमारी ने मेवाड के पूर्व राजपरिवार के सदस्य और पूर्व सांसद महेंद्र सिंह मेवाड को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान दीया कुमारी ने महेंद्र सिंह मेवाड के पुत्र नाथद्वारा विधायक विश्वराज सिंह मेवाड व बहू राजसमंद सांसद महिमा कुमारी और परिवार के अन्य सदस्यों से मुलाकात की।

उदयपुर के समोर बाग में दिवंगत महेंद्र सिंह मेवाड़ को श्रद्धासुमन अर्पित करते उप मुख्यमंत्री दियाकुमारी।

यहां कुछ देर मुलाकात के बाद दीया कुमारी मीडिया से रूबरू हुई। उन्होंने बातचीत के दौरान कहा कि महेंद्र सिह मेवाड का हमेशा से उन पर आशीर्वाद रहा। जब मुझे राजसमंद से टिकट मिला,तब भी उनका आशीर्वाद लेने के लिए उदयपुर आई थी और उस दौरान आशीर्वाद के साथ बहुत सहयोग रहा। उनके निधन के बाद उनकी कमी सबको खलेगी। दीया कुमारी ने यह भी कहा कि महेन्द्र सिंह मेवाड के निधन से मेवाड और समाज को बहुत बडा नुकसान हुआ है। वहीं संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने भी महेन्द्र सिंह मेवाड की तस्वीर पर पुष्प अर्पित करने के साथ श्रद्धाजंलि अर्पित की। इस मौके पर उन्होंने विधायक विश्वराज सिंह मेवाड से मुलाकात की और शोक संवेदना प्रकट की।

स्वराज संदेश संवाद पदयात्रा रवाना

बांसवाड़ा, (निसं)। आदिवासी समुदाय में व्याप्त पर्यावरण संरक्षण के पारंपरिक प्रयासों को नई पीढी से जोडने तथा उन्हें प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करने के लिए प्रेरित करने के लिए स्वराज संदेश संवाद पदयात्रा चार अलग-अलग स्थानों से एक साथ रवाना हुई।

प्राकृतिक संसाधनों के अनुचित एवं अत्यधिक दोहन से समुदाय के विकास में आ रही बाधा को दूर करने के लिए और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए स्थानीय समाधान खोजने पर संवाद के उद्देश्य से आयोजित इस यात्रा को 4 अलग-अलग स्थानों से जन प्रतिनिधियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। वाग्धारा संस्था के सचिव जयेश जोशी ने बताया कि स्वराज को सही मायने में जीते हुए आदिवासी व कृषक समुदाय ने सदियों से आज तक प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण व संवर्द्धन किया है तथा जीवन मूल्यों को समाज के लिए जीवित रखा है। आज के बदलते युग में परंपरागत प्रथाओं को भुला कर बाजार पर निर्भरता की वजह से उत्पन्न जलवायु परिवर्तन की चुनौतयों से सभी लोग जूझ रहे हैं। इन चुनौतियों के समाधान प्रौद्योगिकी में नहीं बल्कि स्वराज आधारित चक्रीय जीवनशैली की जलवायु-संवेदनशील वृत्ताकारजीवन-प्रथाओं में निहित हैं इसीलिए समुदाय की सच्ची और अच्छी पद्धतियों को समुदाय तथा समस्त लोगों तक पहुंचाने की आवश्यकता है। यात्रा का नेतृत्व आदिवासी और कृषक समुदायों द्वारा किया गया। संवाद कार्यक्रम, समूह कार्य तथा चौपाल जैसे विभिन्न आयोजनों में महिला एवं पुरुषों की बराबर भागीदारी रही जहां समुदाय के साथ हुई बैठकों में विभिन्न स्त्रोतों से प्राप्त ऊर्जा, उनके महत्त्व तथा चक्रीय जीवनशैली को लेकर संवाद किया गया। ग्राम वडलीपाडा से कुशलगढ पंचायत समिति के प्रधान कानहींग रावत ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया जिसमें सुनरिया, करान्घती, खेडा, सतलिया की तोदी, रूपगढ, बावलियापाडा, बावडी डिन्डोर, बावडी निनामा, गोपालपुरा, गल्धर गांवों की यात्रा करते हुए स्वराजी, महिला-पुरुष बराबर भागीदारी के साथ अम्लीपाडा पहुंचे। कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन, छोटी सरवा तथा आदिवासी समुदाय एवं कृषकों ने स्वराजी भाइयों के साथ 26 किलोमीटर की यात्रा की। पर्यावरण अनुकूल कृषि प्रणाली, ऊर्जा तथा चक्रीय व्यवस्था पर संवाद में भाग लेते हुए कानहींग रावत ने कहा कि आज के दौर में हम लोग अपनी पुरानी संस्कृति भूलते जा रहे हैं। कृषि में रासायनिक खाद और कीटनाशक दवा का प्रयोग कर हम अपनी आयुमान घटा रहे हैं। उन्होंनें कहा कि यदि हमें आने वाले पीढी को सुरक्षित भविष्य देना है तो हमें हमारे पुरानी संस्कृति एवं चक्रीय प्रणाली को पुनरू अपनाने की जरूरत है। वागधारा संस्था के क्रियान्वयन अधिकारी परमेश पाटीदार ने बताया कि आदिवासी एवं कृषक समुदायों की समृद्ध पारंपरिक प्रथाओं, उनके जलवायु पारिस्थितिकी से संबंधित कृषि, पोषण और ऊर्जा संरक्षण के उपायों को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह यात्रा निकाली जा रही है। आनंदपुरी ब्लॉक में यात्रा को उदयपुरा बडा से सरपंच राधा देवी, सामाजिक कार्यकर्ता रमेश पटेल एवं रतनपुरा सरपंच छगनलाल ने हरी झंडी दिखा कर शिव मंदिर से रवाना किया। चोरडी सामाजिक कार्यकर्ता बंसीलाल एवं ग्राम स्वराज समूह तथा सक्षम समुह सदस्यों ने पद यात्रियों का स्वागत किया। संवाद कार्यक्रम में टोरी ग्राम धानी संघ के अध्यक्ष मोहन, घनेवा बडा वार्ड पंच पन्नालाल ने ग्राम पंचायत बरजडिया में स्थानीय समुदाय के साथ भाग लिया। इस अवसर पर जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में स्थानीय बीज, उसका संरक्षण, संरक्षण के तरीकों, परंपरागत कृषि तथा पशुधन एवं जल संरक्षण पर चर्चा की गई तथा इनके महत्त्व को समझाया गया। समुदाय के लोगों के साथ कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन कोबा तरवा, खेरिया, चोरडी होते हुए कोबा पहुंचे। जहां यात्रा छाजा के कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन के साथ बोदिया तलाई, तोरी, सुंदराव, गानेवा बडा, कजलिया, नाहरपुरा, समिसेरा, पचोर, कानेला, कुम्हारिया, बरजारिया, बोर भटोर, कंगलिया नयागांव, नावाटपरा, बुझेला और बरकोटा गांवों से होते हुए 27 किलोमीटर की दूरी तय कर छाजा गांव पहुंची । बरकोटा में रात्रि चौपाल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृषि एवं आदिवासी स्वराज संगठन पीपलखूंट द्वारा समुदाय के साथ आज पहले दिन यात्रा को ग्राम पावटी के हनुमान मंदिर से सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. नारायण लाल निनामा, पंचायत समिति सदस्य अर्जुन लाल निनामा और पीपलखूंट प्रधान नीता देवी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ग्राम मियासा में हुई सामुदायिक सभा में जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को पहचानने और पारंपरिक टिकाऊ जीवनशैली को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से खेल-आधारित गतिविधियों के माध्यम से समुदाय को ऊर्जा संरक्षण, परंपरागत कृषि, और चक्रीय जीवनशैली के महत्व को समझाया गया।

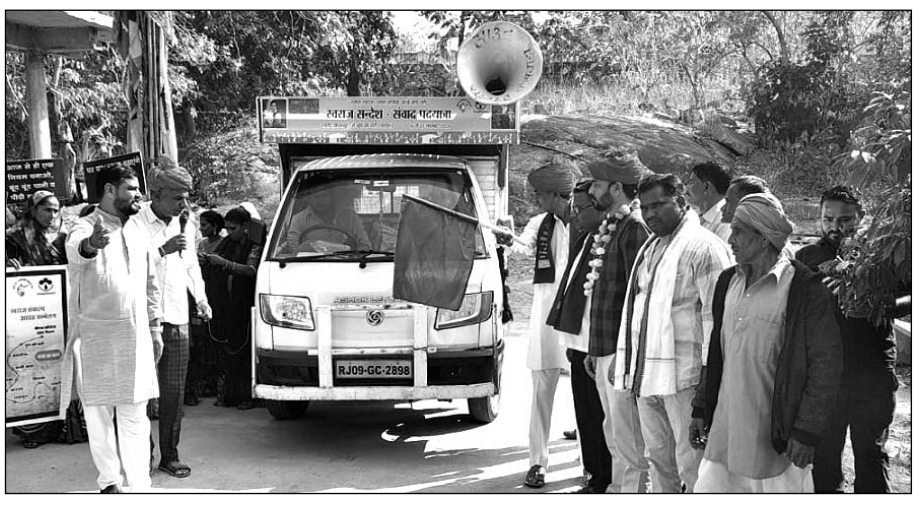

वाग्धारा संस्था की ओर से जिले के विभिन्न स्थानों एवं समीपतर्वी राज्यों में स्वराज संदेश संवाद पदयात्रा को रवाना करते अतिथि।

पेसिफिक में वाइट कोट सेरेमनी का आयोजन

पेसिफिक में एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों का स्वागत एवं वाइट कोट सेरेमनी में उपस्थित विद्यार्थी।

उदयपुर, (कासं)। पेसिफिक इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेस, उमरडा में नये एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी 2024 का प्रेरण कार्यक्रम और वाइट कोट समारोह का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। पेसिफिक इंस्टियूट ऑफ मेडिकल साइंसेस में अभी तक 150 एम.बी.बी.एस. विद्यार्थी प्रतिवर्ष भर्ती होते थे। इस वर्ष एन.एम.सी. द्वारा एम.बी.बी.एस. में 200 सीटे दी गयी है। यह संस्थान के लिये गर्व का विषय है।

संस्थान में उपलब्ध बढिया इंफ्रास्ट्रक्चर एवं स्टाफ के कारण इस वर्ष स्नातकोत्तर (एम.डी./एम.एस.) विषयों मे भी सीटों की अभीवृद्धि दी गयी है। पहले 67 पी.जी. विद्यार्थी प्रतिवर्ष प्रवेश लेते थे। इस वर्ष 158 पी.जी. विद्यार्थियों के लिये एन.एम.सी. ने सहमति पत्र प्रदान की है। समारोह में 200 नये एम.बी.बी.एस. विद्यार्थियों का स्वागत किया गया। संस्था के चेयरमैन आशीष अग्रवाल एवं शीतल अग्रवाल ने विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की। कुलपति डॉ. प्रशांत नाहर ने विद्यार्थियों को वाइट कोट के महत्व के बारे में समझाया। कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. सुरेश गोयल ने हिप्पोक्रेटिक ओथ की शपथ दिलाई कि वे पूरी निष्ठा, समर्पण मेहनत से रोगियों की देखभाल बिना किसी भेदभाव के करेगें, चिकित्सा के समय प्राप्त रोगी से संबधित समस्त जानकारी गोपनीय रखेंगे। सभी विद्यार्थियों ने शपथपूर्वक प्रण किया कि वे आजीवन समस्त नवीन अनुसंधान के अनुसार रोगियों को सेवा प्रदान करेंगे, रोगियों को कभी ऐसी दवा/चिकित्सा उपलब्ध नही करवायेंगे जो उनको किसी प्रकार का नुकसान पहुंचा सकें। उन्हें यह भी शपथ दिलाई गयी कि आवश्यक होने पर अन्य विशेषज्ञ चिकित्सकों से भी परामर्श लेंगे।